



विद्या समाचार पत्रिका

विद्या भारती, ज्ञारखण्ड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र



राँची * अप्रैल-जून- 2023 *वैत्र शुक्ल - आषाढ़ शुक्ल *युगाब्द- 5125 *विक्रम संवत्- 2080 * वर्ष 3, अंक 9

संपादकीय

आदरणीय बंधु/भगिनी
सादर नमस्ते !



अपने भारत वर्ष में एक लोकोक्ति प्रसिद्ध है- 'रोटी जली क्यों? पान सड़ा क्यों? घोड़ा अड़ा क्यों? सुधीजन उत्तर देते हैं, 'फेरा नहीं गया'। फेरा नहीं गया मतलब

समय पर जिनके लिए जो आवश्यक था कार्य नहीं किया गया। समय को पकड़ना तथा सही काम, सही समय पर करना अवश्यक है। विद्यार्थियों एवं अध्ययन-अध्यापन से जुड़े व्यक्ति के लिए तो समय का बहुत बड़ा महत्व है। कहते हैं, 'समय और समुद्र की लहर' किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। अतः समय आगर बलवान है तो समय की महत्ता समझते हुए कार्य को त्वरित करना पड़ता है।

समय के साथ-साथ चलते हुए भैया कुमार रजत ने UPSC में 423वाँ रैंक प्राप्त कर न सिर्फ अपने परिवार का बल्कि अपने विद्यालय राजकमल विद्या मंदिर, धनबाद का नाम उज्ज्वल किया तथा अपने संगठन का नाम रौशन हुआ। उसी प्रकार उसी विद्यालय की एक बहन (छात्रा) आर्ची मेहारिया ने समय का पल-पल सही उपयोग कर पूरे प्रदेश में वाणिज्य संकाय (द्वारा) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह समय के महत्व एवं इसका सही उपयोग को ही पुष्ट करता है। ये दोनों बधाई के पात्र हैं। ज्ञारखण्ड प्रांत के कई जिलों में जिला टॉपर भी हमारे भैया/बहन बने हैं। 35 से अधिक विद्यालय के भैया बहन शत-प्रतिशत प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। 94% से अधिक अंक लाने वाले कुल 45 भैया/बहनों को मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह में सम्मानित किया गया। इ.म.टि.स.वि. मंदिर, चतरा में जब अपने ही विद्यालय के एक पूर्व छात्र श्री मुमताज अंसारी जी, एसडीओ, चतरा ने भैया/बहनों को सम्मानित किया तब समय का एक और चेहरा सामने आया, जो कि सभी के लिए गुदगुदाने वाला तथा आनंददायक पल था।

बधुवर/भगिनी! समय की माँग है कि हम अपना कार्य समय पर ईमानदारी पूर्वक करते रहें।

ग्रीष्मावकाश में प्रांत में कई प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाते हैं। भैया-बहनों को आचार्य गुणवत्तापूर्ण अच्छी शिक्षा प्रदान कर सकें, इस द्वेष सघन प्रशिक्षण अपनी कमियों को भी दूर कर तरोताजा होने के लिए, समयानुसार अपने को ढालने के लिए प्रशिक्षण वर्ग की आवश्यकता आचार्य, प्रधानाचार्य एवं अन्य के द्वारा अनुभूत की जाती है। सतत अभ्यास से विद्या/बुद्धि भी बढ़ती है। कार्यक्रमों/कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण वर्गों की शुंखला में प्रचार विभाग का दो दिवसीय कार्यशाला भी काफी महत्वपूर्ण रहा। ध्यान में आया कि उथल-पुथल भरे समय में हमारे अपने प्रयास तथा विमर्श के माध्यम से अनुकूल बनाया जा सकता है। अतः कटिबद्ध होना आवश्यक है।

पूर्ण विजय संकल्प हमारा, अनश्वक अविरल साधना। निशि दिन प्रतिपल चलती आई राष्ट्रधर्म आराधना। वंदे मातृभूमि वंदे!

आपका
मनोज कुमार
विद्या विकास समिति, ज्ञारखण्ड

मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर +2 विद्यालय में डॉ मोहन मधुकर भागवत ने कल्पतरु के पौधे लगाए (लोहरदगा)



मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर +2 विद्यालय लोहरदगा में डॉ हेडगेवार जी की प्रतिमा का अनावरण आरएसएस के सर संघचालक प.पू. डॉ. मोहन मधुकर भागवत द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीफल तोड़कर किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित किया गया और डॉ. हेडगेवार जी के प्रतिमा का लोकार्पण किया गया। डॉ. हेडगेवार जी की प्रतिमा के दोनों तरफ कल्पवक्ष का पौधरोपण सर संघचालक जी द्वारा किया गया।

हमारे गौरव

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा 2022 में 423वाँ रैंक



कुमार रजत

(सत्र 2007-09 के विज्ञान संकाय के भैया)
रा.स.वि.म., धनबाद, प्रदेश सचिव वि.वि.समिति द्वारा पुरस्कृत किये गये।



परीक्षा परिणाम 2022-23
केंमांशिंबोर्ड द्वादश (वाणिज्य)



आर्ची मेहारिया

प्राप्तांक - 98.8% (494)
(ज्ञारखण्ड राज्य में प्रथम स्थान)
रा.स.वि.म., धनबाद

कभी भी हमने उनका पीठ नहीं देखा। हालांकि, संथालों के इस बलिदान पर कोई भी अंग्रेज सिपाही ऐसा नहीं मिला, जो शीर्षमें आया दृश्य बनाये। इस वीर बलिदानी परिवार को राष्ट्रीय नायक का दर्जा मिलाया जाहिए, जिस परिवार से चार भाई (सिद्धू-कान्हू, चैंद-भैरव) और दो बहन (फूला-ज्ञानो) मां भारती की स्वतंत्रता के लिए बलिदान हो गए। आज भी अबुआ राज का सपना अधूरा है, जल जगल जमीन की लड़ाई जारी है।

(हुल दिवस पर विशेष) स.शि.वि.ग., लालमाटी, साहेबगंज

करो या मरो, अंगेजों हमारी माटी छोड़ो॥

अंग्रेज अफसर हंटर लिखता है वीरता की ऐसी मिसाल हमने देखी नहीं। संथाल की माटी के इहीं शहीदों की याद में हर साल 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है। इस हूल क्रांति को दबाने के लिए अंगेजों सेनानायक मेजर जार्विस अपनी पुस्तक में लिखता है कि इस महान क्रांति में लगभग 20000 क्रातिकारियों को मौत के घाट उतार दिया गया। गया। वह आगे लिखता है जब तक उनका नगाड़ा बजता रहा वह लड़ते रहे, हम मरते रहे, वह मरते रहे लेकिन



पूर्व छात्र श्री मुमताज अंसारी, एसडीओ, चतरा, द्वारा मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया।



मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह 2023, रामगढ़।

